भजन

तर्ज–परदेसियों से न अखियां मिलाना

तन्हाईयों का न गुजरे जमाना,तन्हाईयों में खोया अर्श खजाना

1–हम इस बस्ती में नहीं बसने वाले,इस वीराने में नहीं रहने वाले हमारा तो है रंगमोहोल ठिकाना

2–नव भोम के वोह अजब नजारे,महबूब तुम्हीं हो मेरे प्राण प्यारे अपनी रूहों को अर्श दिखाना

3–रात पूनम की चांद खिला था,कायम सुख मेरी रूह को मिला था अब और प्रीतम न तड़पाना

4–हांस विलास में हर पल गुजरे,युगल किशोर के संग सखियन के इश्क पिया का है रूहों ने माना